

- 34 ³⁴οὐκ ἰδὸν ταῦτα συνήκται παρ' ἐμοί,
καὶ ἐσφράγισται ἐν τοῖς θησανροῖς μου;
³⁵ἐν ἡμέρᾳ ἐκδικήσεως ἀνταποδώσω,
ἐν καιρῷ, ὅταν σφαλῇ ὁ πόνος αὐτῶν·
ὅτι ἐγγὺς ἡμέρα ἀπωλείας αὐτῶν,
καὶ πάρεστιν ἔτοιμα ὕμιν.
³⁶ὅτι κρινεῖ κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ,
καὶ ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐτοῦ παρακληθήσεται·
εἶδεν γὰρ παραλελυμένους αὐτοὺς
καὶ ἐκλελοιπότητας ἐν ἐπαγωγῇ καὶ παρειμένους.
³⁷καὶ εἶπεν κύριος Ποῦ εἰσιν οἱ θεοὶ αὐτῶν,

ABFMV O'' C'' bd/n-767sty-527z-630 al veriss

84 οὐκ] ουχ A V 30 55* 509; > 29 LatSpec 26 | om ἰδού Latcodd 325 330 Cant^{Mil} Rom Sin Sa³ 4* | ταῦτα A B F M V 29-426-707-ol 56' n-458 318-392 z-18 55 Phil I 136 Hipp Ant 38 Latcodd 100 250 325 419 Cant^R Rom Sin Cassiod Col II 14 EusGall 39 EvagrGall 3 Greg Iob XII 21 (sed non XXV 23) Reg I 95 Spec 26 Aeth Bo Sa³ 6 17 Syh] + πάντα rell | συνήκται] + παρηκται 646 | παρ'] περ 28; παν 59* | ἐμοί] εμου 75 | om καὶ — fin 344^{1st}(cprn) | τοῖς] bis scr 83* | θησανροῖς 551 | μου] εμῶς Latcod 330*; > 500 56

85 init — ἐκδικήσεως] pr et Aeth^M Sa³ 17; εμοι εκδικησις εγω Rom 121s Hebr 103a: cf M; om ἐκδικήσεως 414* | ἀνταποδώσω] -σεις 246; post καιρῷ tr 19; + eis LatCant^{Sin} Syh; + ἔλλῃς Latcodd 100 250 330 Cant^{Mil} R Rom Verec Greg Iob XII 21 Aeth Bo Sa³ 6; > Phil I 136 | ἐν καιρῷ] pr και 739 Hipp Ant 38; > B Phil I 136; + ἐνίμ Bo | ἡμέρα] pr η 72-82 57-761 b 610 f-58 458 130-346 121-318 z 319 407 646; αι ημεραι 707; -ραι 55* | ἀπωλείας] pr της 129 75; της απολυσεως 246; ἴσας Arm^{te} | αὐτῶν 2°] αυτοις B; εἰς Sa³ | καὶ] > 246; + haec Cant^{Rom} | πάρεστιν] -στη 407; erunt Bo | ὕμιν] in eis Cant^{Sin}; ἔλλῃς Latcod 330 Arab = M

86 κύριος] κν 68; δς Cant^R | αὐτοῦ 2°] αυτων 376 | παρακλησεται 610 | γάρ] sup ras 56; > Sa³ | παραλελυμένους αὐτοὺς A B F 29-72 56 127 85'-344-346 28 59 Latcodd 250 325 Cant^R] αυτοις παρειμενους 75; παρειμενους αυτοις 54; tr rell | καὶ ἐκλελοιπότητας] και εκλελοιποντας 56; > 500^{1st} LatCant^R | ἐν ἐπαγωγῇ / καὶ παρειμένους] et traditos in captivitate Arm; tr Latcod 100 Cant^R; om ἐν 128; om καὶ Latcod 250; om καὶ παρειμένους Latcod 325 | ἀπαγωγή 82-618 616^c 664 54' 85ms-346ms-730 392 407: cf Walters 130 | παρειμένους] παραμενους 246; απαγομ. 509; + και εκλελοιποτας 19: ex praec

87 εἶπεν] εἰπῇ Latcod 330 | κύριος = Q] sub ÷ Syh; > Latcodd 250 330 419 Cant^{Rom} Verec = M | οἱ θεοὶ] pr nunc Latcodd 100 330 398 Cant^{Sin} Verec MissAmbr LXXII 12 Sa³; bis scr 615*(||) | αὐτῶν] vestri Latcod 330 Cant^{Verec}

84 init — ἐμοί] σ' μὴ οὐχὶ τοῦτο (ταυτα C'' 2°) ἀπόκειται παρ' ἐμοί C'' comm 1° 8° Procop 972 Sixt

85 init — ἀνταποδώσω] σ' μηὶ ultio et retribuat Syh | ἔτοιμα] α' καιρως M 86 παρακληθήσεται] μεταμεληθήσεται F^b | εἶδεν — fin] σ' vidit enim quod humiliata esset manus et defecisset angustia adfectus et destitutus Syh

- ἐφ' οἷς ἐπεποθέισαν ἐπ' αὐτοῖς,
³⁸ὧν τὸ στέαρ τῶν θυσιῶν αὐτῶν ἤσθιετε,
καὶ ἐπίνετε τὸν οἶνον τῶν σπονδῶν αὐτῶν;
ἀναστήτωσαν καὶ βοηθησάτωσαν ὑμῖν,
καὶ γενηθήτωσαν ὑμῖν σκεπασταί.
³⁹ἴδετε ἴδετε ὅτι ἐγὼ εἰμι,
καὶ οὐκ ἔστιν θεὸς πλὴν ἐμοῦ·
ἐγὼ ἀποκτενῶ καὶ ζῆν ποιήσω,
πατάξω κἀγὼ ἰάσομαι,
καὶ οὐκ ἔστιν ὃς ἐξελεῖται ἐκ τῶν χειρῶν μου.

39

ABFMV (848) O'' C'' bd/n-767sty-527z-630 al verss

Aeth | ἐπεποθέισαν] -θεσαν 458 83° = Ald; *confidebat* Latcod 330 Cant^{Mil} Rom Verec MissAmbr LXXII 12 Aeth; *male confidebaris* (pro -batis) Cant^{Sin} | ἐπ' αὐτοῖς] επ αυτους 392; > Sa³

88 αὐτῶν 1°] αυτω A*; > 320 392* Latcodd 325 330 419 Cant^{Mil} Rom Sin Verec MissAmbr LXXII 13 Sa³; (2° 59* | ἤσθιετε] εσθιετε A 799 121-392*; εσθηεται 376; εστιται 75* | καὶ 1°] bis scr 707 | τὸν οἶνον] το αιμα 551; om τὸν 130-344-346 | τῶν σπονδῶν] libationis Cant^{Rom}; των σποδων 82* 52*-550* 108-314* 610 30 18* 509 | αὐτῶν 2°] υμων 16 799; > 73 Sa³ | ἀναστήτωσαν] -στησάτωσαν 72 19' 107'-125; -στατήτωσαν 551; + nunc Latcodd 330 419 Cant^{Mil} Rom Sin Verec MissAmbr LXXII 13 | om καὶ 2° Latcod 372 Arm | βοηθησάτω 68; βοηθητήσαν 618 799 | ὑμῖν 1°] ημιν 313*-551 106* 59; υμων 346*; ημων 313^c; αυτοις 56*; > 75 | γενηθήτωσαν] -θησάτωσαν 669; -θητων 313; γενν. 319 | ὑμῖν 2°] υμων 82-376-ol-618 C'' b 106 53' 30'-86'-343-346^{1st} 318 18'-120-669 28 59 319 407 646 Eus IV 132 Arm; σοι 707 344ms-346ms 1; > Cant^R

89 εἶδετε εἶδετε 129 120 | ἴδετε 1°] + με Ath II 85 168 | ἴδετε 2°] νυν F^b ↓; > Latcod 419 Aug C Max 2 Aeth^M Vulg | ἐγὼ 1°] + εγω F^b = M | εἰμι] + εἰς Latcodd 325 419 Aug C Max 2(2° 3°) Hil Trin IV 33 Aeth^{CG} Arab; + θεος 550' 246 75*(cprn)-458 799 DialAZ 9 Latcod 330 Cant^{Rom} Sin Verec ActSilvestri 517 526 (sed hab 518) AgnRav CXII 8 Aug C Max 2(1°) Fulg passim Quodv Serm symb II 9 VigilTh C Arian I 7 | θεός] pr alius Latcod 330 Cant^{Mil}; αλλος DialAZ 9 Latcodd 325 419 Cant^{Rom} Sin Verec ActSilvestri 517s 526 AgnRav CXII 8 Aug C Max 2 passim EvagrGall II 1 Fulg passim Quodv Serm symb II 9 VigilTh C Arian I 7 Arm Bo Sa³ 17; + ετερος Clem III 411 ProI 145 Eus VIII 2.223 Latcod 100 | ἐγὼ 2°] pr δς EvagrGall II 1 | ἀποκτενω B Bo | καὶ 2°] + ego Latcod 330 Hil Ps LXVIII 22 Arm | πατάξω — fin] και τις ο των εμων χειρων εξαιρουμενος Chr XVIII 493 | κἀγὼ] και εγω F 376'-707 54' 30-346^{1st}; et Aeth Arm Co | ἰάσομαι (-με 30) F^b 82 616* 53*(vid)-246 75' 30 509 | om καὶ 3° Bo | ὃς] ο 83; ω 54*; οστις 707 | ἐξελεῖται] -ληται 55; bis scr 83 (sed hab Ald); ad fin tr 376 Syh = M; + vos Arm^{ap} | της χειρος WI LatArnob Ps 61 Aeth Vulg = M

87 ἐφ' οἷς] α' firmi θ' custodes Syh

89 ἴδετε ἴδετε] οἱ λ' videte nunc Syh | ἐγὼ 2° — ἰάσομαι] α' interficio et vivere facio. percutio et sano Syh

- 40 ⁴⁰ὅτι ἄρῳ εἰς τὸν οὐρανὸν τὴν χειρὰ μου
καὶ ὁμοῦμαι τὴν δεξιάν μου
καὶ ἐρῶ Ζῶ ἐγὼ εἰς τὸν αἰῶνα,
- 41 ⁴¹ὅτι παροξυνῶ ὡς ἀστραπὴν τὴν μάχαιράν μου,
καὶ ἀνθέξεται κρίματος ἡ χεὶρ μου,
καὶ ἀνταποδώσω δίκην τοῖς ἐχθροῖς,
καὶ τοῖς μισοῦσίν με ἀνταποδώσω·
- 42 ⁴²μεθύσω τὰ βέλη μου ἀφ' αἵματος,
καὶ ἡ μάχαιρά μου καταφάγεται κρέα,
ἀφ' αἵματος τραυματιῶν καὶ αἰχμαλωσίας,
ἀπὸ κεφαλῆς ἀρχόντων ἐχθρῶν.

ABFMV (848) O' C' bdfn-787sty-827z-830 al verss

40 ⁴⁰ ὅτι ο 108* | εἰς τὸν οὐρανὸν post μου 1° tr Cant^{Verec}; om τόν 537 | om τὴν χειρὰ μου 73 | καὶ 1° — μου 2° | om καὶ Aeth^{CG}; sub ÷ Syh; > F^b 58^{txt} = M | τὴν δεξιάν (-ξια 458) A B F 426-707 56 54-458* (cprm) 30-85^{txt}-344^{txt}. 346^{txt} 28 55 Cyr II 1253 IX 748 | τὴ δεξια rell = Ra | τόν 2° | + αυτον 122* | τὸν αἰῶνα | τους αιωνας 246; + saeculi^l L^acod 100

41 ⁴¹ ὅτι | και 707 Aeth | om ὡς ἀστραπὴν Clem I 130 | ὡς | ω 509 | τὴ μαχαιρα 125' | μάχαιράν μου | sup ras 707; + et sagittas meas consummabo in eis L^acod 419 | κρίματος | post μου 2° tr L^acod 419 | μου 2° | + και εκδικησω Tht II 1009 1464; + και εκδικησει A^c | om καὶ 2° — fin L^acod 330 | καὶ 2° | 3° PsVig Varim I 22; + αυτος Clem I 130 | ἀνταποδώσω 1° | -σει Procop 2668; αποδ. B | τοῖς ἐχθροῖς | + μου F^b 58-376'-707 414 246 54'-75* (cprm) 83* 59 407 Tht II 1464 L^acod 100 Cant^R Aeth Arab Arm Co Syh = M | om τοῖς 2° 72(|) | με ἀνταποδώσω F^b | αυτον ανταποδωσει Procop 2668; om με B F 707 W¹-127 30-344 71 509 Clem I 130 L^aCant^{Mil} (sed hab Sixt)

42 ⁴² init | pr και 19 59 Aeth Arm^{ap} | βέλη μου | βελημα 376 509; om μου 618* 83 (sed hab Ald) | ἀφ' αἵματος 1° | > Did Ps 85.28 (sed hab 260.23); + eorum Sa^s; + τραυματιων 551: ex sq | ἀφ' 1° | ep 83 (sed hab Ald); > L^acod 250 330 419 Cant^{Mil} Sin; 2° B (sed hab Sixt) | om μου 2° 551 | καταφάγεται A F M V 29-64-376 56 130-344-346 121-318 509 Did 378 Hiob 162.4 Ps 85.28 | φαγετω 16 44 71; φαγ. (-γετε 314) F^b rell ↓ | om κρέα Did 378 Hiob 162.6 Ps 85.28 260.63 | ἀφ' αἵματος 2° | αιμα Did Hiob 162.6 Ps 85.28 260.23; απο αιματος Clem I 130; > Sa^s | τραυματιῶν | -τιας 392; + αυτων W¹-54-127^{pr} m 59 | om καὶ 2° Arm^{te} | αἰχμαλωσίας | -σιων (εκμ. 75) 75 83*; post ἀπὸ tr Cant^{Mil} | ἀπὸ | pr και 127 Aeth-^{CG}; > Cant^R | ἐχθρῶν B F M 29-426 56 W¹^{pr} m-127 85^{ms}-344^{ms}-346^{ms} 55 L^acod 100 419 Cant^{Gail} Mil R Rom Sin Verec Aeth-M Arm^{te} Co Syh^b v^{txt} = Compl | θεων 72; > Aeth^M(|); + domini Arm^{ap}; εθων rell

41 παροξυνῶ] ἀκονήσω M | ἀνθέξεται] ἐπιλήγεται· κρατήσῃ 58; κρατή-σ(ει) F^b

42 καταφάγεται] ο' α' σ' θ' φάγεται 344 | ἀπὸ — fin | σ' a nudo capite hostis Syh^m | ἀρχόντων] α' ἀποπεπτασμένων (αποπετ.*) M; α' denudatorum Syh^b

- ⁴²εὐφράνθητε, οὐρανοί, ἅμα αὐτῷ,
καὶ προσκυνήσάτωσαν αὐτῷ πάντες υἱοὶ θεοῦ·
εὐφράνθητε, ἔθνη, μετὰ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ,
καὶ ἐνισχυσάτωσαν αὐτῷ πάντες ἄγγελοι θεοῦ·
ὅτι τὸ αἷμα τῶν υἱῶν αὐτοῦ ἐκδικεῖται,
καὶ ἐκδικήσῃ καὶ ἀνταποδώσῃ δίκην τοῖς ἐχθροῖς,
καὶ τοῖς μισοῦσιν ἀνταποδώσῃ,
καὶ ἐκκαθαρίῃ κύριος τὴν γῆν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ.

ABFMV (848) O' C' bdfn(767)sty-827z-830 al verss

43 ⁴³ init — θεοῦ 1° | bis scr 52 | οὐρανοί | pr οι 58 Did 594 | ἅμα | αιμα Ald | αὐτῷ 1° | αυτοις 407 Aeth^M; > Aeth^M; 3° 68 | προσκυνήσάτωσαν | adoremus L^acod 250 | αὐτῷ 2° | αυτον 761^c 85^{txt} 18^c 28 | om πάντες 1° B (sed hab Sixt) | υἱοὶ A B M^{txt} 58-376-ol-15 54-75 346^{ms} 121-392 18'-122^c-669 509 Epiph I 47 III 210 Eus VI 54 L^acod 91 92 94—96 100 325 Cant^{Mil} Hil Trin IV 33 Arm Sa^s 17 Syh^b v^{txt} | pr οι 313; (+ οι 46) αγγελοι Hebr 1s Epiph I 38 rell | θεοῦ 1° | ειμα L^acod 419 Cant^{Sin} Verec; + οι θεου 313*; 2° d-108 318 Sa^s = Ald | om ευφρανθητε 2° — αὐτοῦ 1° Epiph I 47 | ευφρανθητε 2° | epulentur L^acod 100; + ras 8 litt 127 | μετὰ | bis scr 75*(|) | om καὶ 2° — θεοῦ 2° 500 = M | ἐνισχυσάτωσαν αὐτῷ | confortentur Cant^R | ἐνισχυσάτωσαν | adorent Cant^{Mil}; honorificent Hil Trin IV 33 | αὐτῷ 3° | αυτον A^c M^{txt} 426 761 458 85'-343-344^{txt}. 346* 128-669 28 509 L^acod 250 Cant^{Mil} Verec Hil Trin IV 33 Arm; αυτο 602; αυτων 346^c; αυτους A* F 376-707-ol-15 56 n-458 30-344^{ms} 59 Eus VI 54 Tht D^{te} L^aHil Ps LXVII 4 Ruf Cant 3 Bo Sa^s 18 Syh; > 108 Sa^s | om πάντες 2° Epiph I 47 Sa^s | ἄγγελοι υἱοὶ V 15-29-82-426-707^{ms} C^o-46' 52' 41^{ms} (500) 550' 761^{txt} b 106 129-664 W¹-458 85 t 71 120 28 55 319 407 L^acod 330 419 Cant^{Rom} Sin Verec Hil Ps LXVII 4 Aeth = Sixt; οι υιοι 46'-52' 53 646 Tht I 445^{ap} | θεοῦ 2° | > 246 L^aCant^R; + filii L^acod 250 | om υἱῶν 739* | αὐτοῦ 2° | αυτων 376 246 Tht D^{te} | ἐκδικεῖται F^b | εκζητ. (-τε 71; -τηται 30) F ol-707 56 30-85^{txt}-130-343^{ms}-344-346^{txt} 71 28; -κηται (-τε 707 458) 707 54*-458; -καται B 426 = Ra | καὶ 3° 4° Arab Bo | ἐκδικήσῃ | -ση 392; εκζητειτε 71 | om καὶ ἀνταποδώσῃ Tht D^{te} | καὶ 4° 6° 53 | ἀνταποδώσῃ 1° | αποδ. 46*-52'-313; -δοσω 75 L^acod 398 | δίκην | sub ÷ Syh; cf M | τοῖς ἐχθροῖς | + σου 59; + αυτου A F M V 29-58-376' 56 W¹-54' 121 68' Tht D^{te} Aeth Sa^s Syh = Ald M | καὶ 5° — ἀνταποδώσῃ 2° = Q | sub ÷ Syh = M | μισοῦσιν | + με 15: ex α; + αυτον F^b 58-82-381' C^o b d j⁻⁵³ 75' 318 18-68'-83-120 59 319 407 424 646 Iust Dial CXXX 1 Tht D^{te} L^acod 325 372^c 419 Cant^{Verec} Aeth Co = Q | ἀνταποδώσῃ 2° | -σω 15^c 414 610*: ex α; > L^acod 250; + δίκην 509 | ἐκκαθαρίῃ | -ριεις 122; εκκ. 54-75; καθαρ. 707 500-528 767 30' 509 | κύριος F^b | > F 64-426 56* 54 30'-85-344 28 L^acod 330* Bo Sa^s 16 17 Syh = M | τοῦ λαοῦ 2° | τω λαω 458 Tht D^{te}

43 ⁴³ comma] ἐβρ' ἀνέσαστε ἔθνη λαὸν αὐτοῦ ὅτι αἷμα δούλων αὐτοῦ ἐκδικήσῃ καὶ ἐκδικῇ ἀνταποδώσῃ τοῖς θλίβουσιν αὐτὸν καὶ ἐκκαθαρίῃ τὴν γῆν αὐτοῦ ὁ λαὸς αὐτοῦ F^b | υἱοί | ο' υἱοί 344 | ευφρανθητε 2° — αὐτοῦ 1° | α' ἀνοποισάτε (aut εν.) ἔθνη λαὸς (λαον 73; λαους Procop) αὐτοῦ C^o comma Eus VI 54 Procop 976 Syh; θ' θαλλῶσθε ἔθνη λαὸς αὐτοῦ Eus VI 54 | τῶν υἱῶν (αὐτοῦ) | οί λ' σεσουγίη Syh; σ' angelorum dei Ish 139 | ἐκδικεῖται | ο' ἐκδικεῖται 344 | καὶ ult — fin | α' et propitiabit terram populi eius dominus Syh | ἐκκαθαρίῃ | α' ἐξιλίεται M